क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 09, शुक्रवार, 01 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सर्वदलीय बैठक के बाद बोले आजाद, प्रधानमंत्री ने बताया बजट अंतरिम ही होगा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को इस बात से अवगत कराया है कि सरकार शुक्रवार को अंतरिम बजट पेश करेगी। आजाद ने कहा कि विपक्ष ने सरकार से कहा है कि बजट सत्र में गैरविवादित विधेयकों को ही पारित कराने के लिए लाए। बजट शुक्रवार को पेश किया जाना है। यह 16वीं लोकसभा का आखिरी बजट सत्र है। सर्वदलीय बैठक के बाद आजाद ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें सिर्फ उन विधेयकों को लाना चाहिए जो विवादित नहीं हैं और जिन पर सबकी सहमति है।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी सुझाव दिया कि अगर सरकार विवादित विधेयकों पर जोर देती है तो संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलना मुश्किल होगा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने भी कहा कि सरकार को इस सत्र में विवादित विधेयक नहीं लाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को लोकसभा चुनाव से पहले सीबीआई के रूप में 'साझेदार' मिल गया है।

प्रियंका नहीं डाल पाएंगी ज्यादा प्रभाव- शिव प्रताप शुक्ला

नेशनल डेस्क। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री शिव प्रताप शुक्ला ने पंजाब केसरी और नवोदय टाइम्स के साथ साक्षात्कार में महागठबंधन से लेकर लोकसभा चुनाव पर चर्चा की। पेश हैं उनकी इस खास बातचीत के प्रमुख अंश। मुझे लगता है कि प्रियंका का हमारे क्षेत्र में कोई असर नहीं पडऩे वाला। पारिवारिक रूप से जो सीटें कांग्रेस की हैं, उन पर ही उनका प्रभाव रहेगा। मुझे लगता है कि हर आदमी अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए एक ही बात कह रहा है कि मोदी हटाओ। प्रियंका गांधी को भी इसीलिए लाया गया। उनके पति रॉबर्ट वाड्रा के कई केस खुल गए हैं। इसी तरह अखिलेश, मायावती की बातों को सभी जानते हैं। देश की जनता को तय करना है कि भ्रष्टाचार वालों को रखना है कि भ्रष्टाचार हटाने वालों को पुनः रखना है। भारत को जो भ्रष्टाचार से मुक्त कर सकता है, वह चेहरा मोदी है। मोदी को काम करने के लिए ही पिछली बार जनता लाई थी। मोदी आए तो काम शुरू किया। उज्जवला की कहानी अब सब जानते हैं। 6 करोड़ परिवारों में मुफ्त में गैस सिलेंडर दिय गया है। वे मुद्रा योजना लाए। सभी लोग सहमत होंगे कि पूरी तौर पर सभी को नौकरी नहीं मिल सकती। उन्हें सक्षम जरूर बनाया जा सकता। मुद्रा योजना के अभियान में आज 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचाकर छोटा-बड़ा रोजगार दिया है। आयुष्मान भारत योजना के 130 दिन में 7 लाख से अधिक लोग लाभ ले चुके हैं। हर योजना में जनता को लाभ देने का प्रयास हो रहा है। पीएम खुद को प्रधानसेवक के तौर पर मानते हैं। दूसरी तरफ ये गठबंधन लाभ लेने के लिए है। महागठबंधन में सभी एक होकर अपने भ्रष्टाचार को पनपना चाहते हैं। किसकी एंट्री होती है? हमें कोई मतलब नहीं है। हमें जनता के लिए काम करना है। विकास पर फोकस है। विजय भी उसी की होगी। हम तो जनता से निवेदन करेंगे कि सुशासन पर वोट करें। यकीन है मोदी जी फिर आएंगे। हम संबंधित क्षेत्रों में अच्छे से अच्छा, योग्य उम्मीदवार देकर भाजपा के कार्यों को जनता के बीच में रखेंगे।

भाजपा सरकार

कनाडा व ब्रिटेन में बसे कट्टरपंथी सिखों तक पहुंच बनाने में जुटी भाजपा

जालंधर(चोपड़ा)।

2019 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी पुनः सत्ता पर काबिज होने के लिए हरसंभव प्रयास करने में जुटी हुई है और इसी कड़ी में एक बड़े कार्यक्रम के तहत भाजपा कनाडा व ब्रिटेन में बसे कट्टरपंथी सिख नेताओं से सम्पर्क साधने के प्रयासों में जुटी है।

वरिष्ठ भाजपा नेता राम माधव निभा रहे हैं अहम भूमिका

सूत्रों के अनुसार वरिष्ठ भाजपा नेता राम माधव इन प्रयासों को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रमुख वार्ताकार की भूमिका अदा कर रहे हैं। भाजपा 2 चरणीय रणनीति के तहत जहां भारत विरोधी तत्वों का पर्दाफाश करके उन्हें छिन्न-भिन्न करने का प्रयास कर रही है जिसमें गुरपतवंत सिंह पन्नू के नेतृत्व में सिख फॉर जस्टिस के रूप में भारत विरोधी तत्व काम कर रहे है, वहीं उन लोगों के साथ वार्ता करने की कोशिश भी कर रही है जो पहले खालिस्तान आंदोलन में संलिप्त थे। भाजपा ने पश्चिमी देशों में रहने वाले अलग-थलग हुए सिख ग्रुपों को हमेशा ही विभिन्न संदेश दिए हैं। मालूम हुआ है कि पार्टी ने लंबे समय से इन अलग-थलग समुदायों के बारे में चिंता व्यक्त की है। एक पुष्ट सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 2015 के बाद से इन ग्रुपों के साथ बातचीत जारी है। बताया जाता है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्र सरकार द्वारा इन ग्रुपों तक पहुंच बनाने की रणनीति बनाई गई थी और इन ग्रुपों का दिल जीतना भी मोदी सरकार की प्रमुख चिंताओं में से एक थी, क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनावों में पश्चिम में बसे विदेशी सिखों ने आम आदमी पार्टी को भारी समर्थन दिया था।

पंजाब में आतंकवाद पनपने के बाद विदेशों में सिखों ने ली थी शरण

वर्णनीय है कि पंजाब में आतंकवाद पनपने के बाद बड़ी तादाद में सिख भारत से विदेशों में जा बसे और कुछ ने विदेशों में राजनीतिक शरण ले ली थी। मोदी सरकार में यह भी महसूस किया गया कि राजनीतिक शरण के तहत विदेशों में बसे सभी सिख न तो राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं और न ही कट्टरपंथी, वे केवल अपने कारोबार सैट करने के लिए विदेशों में बसे थे। भाजपा ने ब्रिटेन स्थित दक्षिण पंथी जसदेव सिंह राय को पहले ही इस संबंध में शामिल किया है जो लंदन में सिख ह्यूमन राइट्स ग्रुप के निदेशक हैं। राय ने राम माधव और कट्टरपंथी सिखों के मध्य कई मुलाकातें करवाई हैं जिनके कुछ परिणाम भी सामने आए हैं जिसके तहत पार्टी उन सिखों के लिए कुछ ठोस समझौता लेकर आगे आएगी जिन पर भारत लौटने पर पाबंदी लगाई हुई है। सूत्रों की मानें तो सरकार उस काली सूची की गंभीरता से समीक्षा कर रही है जिसमें कई लोगों पर खालिस्तानी आंदोलन में संबद्धता या शामिल होने के कारण पाबंदी लगी है।

सिख विरोधी दंगों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाई भाजपा

भाजपा ने इसके अलावा दिल्ली में सिख विरोधी दंगों में संलिप्त लोगों के खिलाफ मामलों पर तेजी लाने की रणनीति बनाई है और सज्जन कुमार जैसे लोग भी इसी रणनीति का हिस्सा हैं जिसे विगत महीने अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। भाजपा वर्षों से कानून की गिरफ्त से बचते आ रहे सज्जन को सजा होने का श्रेय ले रही है।

ऐसा प्रतीत होता है कि पार्टी देश के दूसरे सबसे बड़े अल्पसंख्यक सिख समुदाय के साथ अपने संबंधों को यकीनी और मजबूत बनाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष भाजपा पर हिंदू बहुल राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगाता आ रहा है जबकि भाजपा इस कदम से यकीनी बनाना चाहती है कि वह अन्य अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर सिखों को एक समान नजर से देखती है। इसके अलावा पार्टी पंजाब में अपने घटक दल शिरोमणि अकाली दल को भी इसका लाभ दिलाने की चेष्टा करना चाहती है, परंतु अभी यह बताना कठिन है कि भाजपा विदेशों में बसे सिखों के विभिन्न ग्रुपों का दिल जीतने में कितनी कामयाब होती है।

लोकपाल के लिए जारी है अन्ना हजारे का अनशन

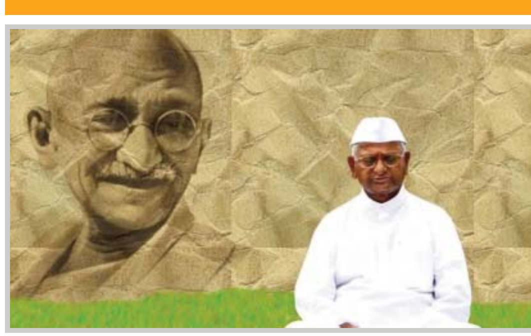

रालेगण सिद्धी।

केन्द्र और महाराष्ट्र में लोकपाल की नियुक्ति तथा किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर गांधीवादी नेता अन्ना हजारे का अनशन आज दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी है। हजारे की मांगों के समर्थन में उनके पैतृक गांव रालेगण सिद्धी में लोगों ने गुरुवार को बंद रखा है। हजारे महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में रालेगण सिद्धी में ही अनशन पर बैठे हैं। केन्द्र में लोकपाल की नियुक्ति और महाराष्ट्र में लोकायुक्त कानून पारित करने का सरकार का आश्वासन पूर नहीं होने को लेकर हजारे बुधवार से ही अनशन पर हैं। 81 वर्षीय हजारे उन सभी राज्यों में लोकायुक्तों की नियुक्ति की मांग भी कर रहे हैं जहां भ्रष्टाचार-निरोधी संवैधानिक/वैधानिक संस्था मौजूद नहीं है। हजारे चुनाव सुधारों सहित किसानों के हित में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने की भी मांग कर रहे हैं। रालेगण सिद्धी के स्थानीय लोगों ने गुरुवार को सरकारी नुमाईंदे के रूप में तहसीलदार को एक बयान जारी कर हजारे की मांगों पर विचार करने को कहा। डॉक्टरों ने हजारे की जांच करने के बाद उनकी देखभाल करने वालों को उनपर करीब से नजर रखने को कहा। डॉक्टरों ने कहा, ''हजारे की उम्र 80 के पार है। उनकी देखभाल जरूरी है।''

हजारे अपनी मांगों पर बातचीत के लिए सरकार के दूत और मंत्री गिरीश महाजन से मिलने से इंकार कर चुके हैं हालांकि महाजन ने बुधवार को कहा कि हजारे और उनके समर्थकों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, ''कुछ ना कुछ समाधान निकलेगा।''

जब मोदी और खडग़े के ठहाके से गूंजी लोकसभा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संसद की संयुक्त बैठक के अभिभाषण की प्रति लोकसभा में पेश करने के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे की पंक्ति में बैठे सभी नेताओं से उनकी सीट पर जा कर मुलाकात की। मोदी सबसे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मिलने उनकी सीट पर गए और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। उनके पीछे विदेश मंत्री सुषमा स्वराज चल रहीं थीं लेकिन ज्यादा सदस्यों को मोदी की तरफ बढते देख वह बाहर की तरफ निकल गईं। प्रधानमंत्री ने पहले शिरोमणि अकाली दल के नेता प्रेमसिंह चंदूमाजरा और फिर लोक जनशक्ति पार्टी के नेता राम विलास पासवान का हाथ पकड़कर वरिष्ठ नेता कलराज मिश्रा से कुछ देर तक बातचीत की। इस बीच शिवसेना के कई सदस्य भी मोदी से मिलने उनके पास आ गए। कुछ देर बातचीत करने के बाद मोदी ने बीजू जनता दल के भर्तृहरि मेहताब, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप वंद्योपाध्याय और समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव तथा अन्य कई नेताओं से बातचीत की और फिर पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, अन्नाद्रमुक के पी वेणुगोपाल और सपा के मुलायमसिंह यादव से हाथ मिलाने के बाद सीधे कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े के पास पहुंच गए। खडग़े और मोदी के बीच थोड़ी देर तक किसी मुद्दे पर बातचीत हुई और उसके बाद दोनों के ठहाके गूंजे।

लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश में बीजेपी करेगी बड़ा फेरबदल

भोपाल।

मिशन 2019 में जुटी बीजेपी चुनाव से पहले मध्य प्रदेश संगठन में बड़ी सर्जरी कर सकती है। भोपाल में लोकसभा चुनाव की तैयारी के सिलसिले में हुई बैठक में संगठन महामंत्री रामलाल ने प्रदेश अध्यक्ष को बदलाव के लिए फ्री हैंड दे दिया है। उन्होंने कुछ जिलों में संगठन के कामकाज को लेकर नाराजगी भी जाहिर की है। 2018 में विधानसभा चुनाव में हार के बाद 19 की जीत के लिए बीजेपी अब पूरा ज़ोर लगा रही है। भोपाल में 19 का अखाड़ा जीतने के लिए हुई दिग्गजों की बैठक में चुनाव की प्लानिंग पर मंथन हुआ। साथ ही ये भी तय कर दिया गया कि जहां जरूरत होगी वहां संगठन को दुरुस्त करने के लिए बदलाव किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह को इस बदलाव के लिए फ्री हैंड मिलेगा। चुनाव से पहले जिन जिलों में जरूरत होगी वहां संगठन में बदलाव होगा। जिलाध्यक्ष के साथ मोर्चा अध्यक्षों को भी बदला जा सकता है। अध्यक्ष अमित शाह एक बार और पीएम मोदी दो बार एमपी का दौरा करेंगे अमित शाह 10 फरवरी को सागर में बूथ कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी 28 फरवरी को देशभर में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

मनोहर पर्रिकर से मिले सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, मुख्यमंत्री ने बजट सत्र में नहीं लिया भाग

नेशनल डेस्क।

गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर से बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुलाकात की, जिसके बाद सियासत में भूचाल आ गया। राहुल ने एक रैली को संबोधित करते हुए पर्रिकर से अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए राफेल पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है, जिसके बाद पर्रिकर ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर कहा कि वह पांच मिनट की औपचारिक मुलाकात का सियासी लाभ न उठाएं।

वहीं इसके बाद राहुल ने पर्रिकर के पत्र का जवाब देते हुए एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि हम समझ सकते हैं कि आप कितने दबाव में हैं। वहीं इन सब विवादों के बीच गुरुवार के सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने मनोहर पर्रिकर से मुलाकात की। बैठक के बाद रावत ने कहा, मैं सिर्फ यह देखने के लिए आया था कि अब उनकी तबियत कैसी है। वह कैसा महसूस कर रहे हैं। वहीं बजट पेश करने के एक दिन बाद राज्य के मुख्यमंत्री विधानसभा के बजच सत्र की सुबह की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए। सदन से उनकी इस गैर हाजिरी का कोई कारण नहीं बताया गया, लेकिन अध्यक्ष प्रमोद सावंत ने सत्र के दौरान ऐलान किया कि पर्रिकर के नाम के लिए सूचीबद्ध सवालों को अगले सत्र में लिया जाएगा।

इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि पर्रिकर के भोजनावकाश के बाद सत्र की बैठक में भाग लेने की संभावना है।

कमलनाथ के जरिए बिहार के लोगों का दिल जीतेंगे राहुल गांधी!

भोपाल।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बिहार में लोकसभा चुनाव का शंखनाद करने वाले हैं। पटना में पार्टी की महारैली है। मिली जानकारी के अनुसार, इस रैली की खास बात यह है कि उसमें मध्यप्रदेश के सीएम कमलनाथ को भी बुलाया गया है। कमलनाथ सरकार के फैसलों का गुणगान उस रैली में किया जाएगा। कांग्रेस की 3 फरवरी को पटना में महारैली है। इसे आकांक्षा रैली का नाम दिया गया है। रैली के लिए एमपी के मुख्यमंत्री कमलनाथ भी आमंत्रित हैं। कमलनाथ सरकार के फैसलों को पटना रैली में बताया जाएगा। के लिए एमपी के मुख्यमंत्री कमलनाथ भी आमंत्रित हैं। कमलनाथ सरकार के फैसलों को पटना रैली में बताया जाएगा। इसमें एमपी सरकार के फैसलों के बारे में बताया जाएगा। खासतौर से किसानों की ऋणमाफी योजना का जक्रि किया जाएगा। कांग्रेस की तैयारी इस योजना के जरिए बिहार के किसानों को लुभाने की है, जिसका सीधा फायदा लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिल सकता है।

बजट सत्र से पहले विपक्ष को मोदी की नसीहत

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र से पहले इशारों ही इशारों में विपक्षी दलों को सदन में अच्छा व्यवहार करने की नसीहत दी और उनसे सकारात्मक चर्चा में भाग लेने की अपील की। मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले यहां संसद भवन परिसर में मीडिया के माध्यम से सभी दलों से कहा कि वे चर्चा में हिस्सा लेकर सरकार को लाभांवित करें। इशारों-इशारों में शीतकालीन सत्र के दौरान उनके व्यवहार के लिए विपक्षी दलों को नसीहत देते हुए कहा ''पिछली बार सदन का रुख हम सबने देखा है। आज देश में जागरूकता है। हर नागरिक सदन की गतिविधि को देखता है। सामान्य मानवी तक सारी बातें पहुँचती हैं।'' उन्होंने कहा कि सदन के अंदर चर्चा में जिनकी रुचि नहीं होती उनके प्रति नाराजगी होती है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि सत्र के समय का उपयोग गहराई और जानकारी से भरपूर चर्चा के लिए किया जायेगा और इस तरह सभी सांसद सरकार को लाभांवित करेंगे। उन्होंने कहा ''सबको क्षेत्र में जाना है। इस बार सदन में उत्तम सकारात्मक व्यवहार का लाभ मैदान में नजर आयेगा। सदन में सबका साथ लेकर देश के लिए काम करने के निर्णय में हम आगे बढ़ना चाहते हैं।'' आपको बतां दे कि संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा और यह वर्तमान सरकार के तहत संसद का अंतिम सत्र होगा। इसकी शुरूआत आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के संबोधन के साथ होगी। वित्त मंत्री पीयूष गोयल शुक्रवार को अंतरिम बजट पेश करेंगे और ऐसी उम्मीद की जा रही है कि सरकार इसमें समाज के विभिन्न वर्गो के कल्याण से जुड़ी अनेक उपायों की घोषणा कर सकती है।

बहुमत से चुने गए तो कागजों से उड़ा देंगे पी.एस.ए. : उमर

श्रीनगर ।

पूर्व मुख्यमंत्री और नैशनल कांफ्रेंस (नैकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को राज्य विधानसभा चुनावों में बहुमत के साथ निर्वाचित होने पर नैशनल कांफ्रैंस द्वारा विवादास्पद जन सुरक्षा अधिनियम (पी.एस.ए.) को रद्द करने का वायदा किया। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिला में नैकां कार्याकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उमर ने उनके पार्टी कार्यकर्ताओं से तालियों के बीच कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं और आपके माध्यम से मैं जम्मू कश्मीर के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जिस दिन 2019 में ईश्वर ने चाहा नैशनल कांफ्रैंस अपनी सरकार बनाती हैं, कुछ ही दिनों के भीतर मैं पी.एस.ए. को रद्द कर दूंगा। मैं आपको कह रहा हूं कि मैं इसे हमेशा के लिए कागजात से उड़ा दूंगा। उमर ने कहा कि राज्य में गठबंधन के रुप में कई विकलांग सरकारों को देखा गया। हमने ऐसी विकलांग सरकारें देखी हैं जहां हम किसी की दया पर रहते हैं। दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री थे शिष्टाचार गुलाम नबी आजाद और आजाद मुख्यमंत्री थे जिसके लिए मुफ्ती को धन्यवाद और मैं कांग्रेस समर्थन की वजह से छह सालों तक सत्ता में रहा। जम्मू कश्मीर में एक पार्टी शासन के लिए आगे तर्क देते हुए उमर ने कहा कि इसलिए हम अपने दम पर एक सरकार चाहते हैं ताकि हम कुछ चीजों को सुधारें। नैकां के उपाध्यक्ष ने कहा कि हम जानते हैं कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफ्सपा) को केन्द्र के साथ चर्चा किए बिना रद्द नही किया जा सकता और उसके लिए हम केन्द्र के साथ चर्चा करेंगे लेकिन राज्य के कानूनों के बारे में , हम उन्हें रद्द क्यों नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीरी युवाओं को पी.एस.ए. के तहत गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए और महीनों तक उनके परिजनों को अपने प्रियजनों के लिए पीड़ित होना पड़ता है। सरकारें लोगों के घावों को ठीक करने और उन्हें राहत प्रदान करने के लिए होती है।

संपादकीय

विवादास्पद ढांचा

सरकार ने अयोध्या में अविवादित 67 एकड़ जमीन वापसी की सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर एक बड़ा दांव खेला है। शीर्ष अदालत क्या फैसला देता है, यह देखना होगा। यह सच है कि नरसिंह राव सरकार ने 1993 में अयोध्या कानून के तहत विवादास्पद स्थल के चारों ओर की ये जमीनें इसीलिए अधिगृहित की थीं ताकि वहां किसी प्रकार की ऐसी गतिविधि न हो जिससे तनाव पैदा हो सके। वह समय 6 दिसम्बर 1992 को बाबरी ध्वंस से निपटने का था। भय यह था कि कहीं मंदिर निर्माण की कोशिश न हो जाए। आज काफी समय बीत चुका है। वह मामला सर्वोच्च न्यायालय में गया था, जिसने अधिग्रहण को तत्काल सही ठहराया, लेकिन कहा था कि जिनकी जमीनें हैं, उनको वापस मिल सकती हैं, बशर्ते वे इसके लिए अर्जी दायर करें। इसमें से 42 एकड़ जमीन रामजन्मभूमि न्यास की है, जिसका गठन मंदिर निर्माण के लिए किया गया था। न्यास ने इसके पहले 1996 में सरकार से जमीन की मांग की थी, लेकिन सरकार ने इसे नहीं माना। इस समय मंदिर निर्माण का मामला जितना गरमाया हुआ है; संघ, विहिप, साधु-संत और हिन्दुत्ववादी एक स्वर में सरकार से मंदिर बनाने का रास्ता प्रशस्त करने की मांग कर रहे हैं, उसमें ऐसी किसी पहल की संभावना साफ दिख रही थी। वैसे गहराई से मामले की छानबीन करने पर यह भी साफ हुआ है कि जिसे विवादास्पद भूमि कहते हैं उसका रकवा केवल 0.313 एकड़ ही है, 2.77 एकड़ नहीं। 0.313 एकड़ पर ही विवादास्पद ढांचा मौजूद था, जिसे ढहा दिया गया। अगर विवाद केवल उतने ही जमीन पर है तो शेष जमीनों को इतने समय तक बंधक बनाए रखने का कोई तार्किक कारण होना चाहिए। केंद्र का यह तर्क पहली नजर में सही लगता है कि अगर न्यास अपनी जमीन मांग रहा है तो उसे दे दी जाए। जब केंद्र सरकार ने अधिग्रहण किया था तो उसे वापस लौटाने का हक भी उसी के पास होना चाहिए। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय जाने का अर्थ है कि वह पक्षपाती दिखना नहीं चाहती। इसका दूसरा अर्थ यह है कि वह भी अब न्यायालय में एक पक्षकार बन गई है। यह दांव है तो बड़ा किंतु इसका राजनीतिक प्रभाव इस पर निर्भर करेगा कि सर्वोच्च अदालत अपील को स्वीकारता है या नहीं। अगर केंद्र सरकार यही अपील एकाध वर्ष पहले करती तो आज स्थिति कुछ और होती। जब चुनाव सिर पर है और न्यायालय में सुनवाई लगातार टल रही है, उसमें यह कदम मंदिर समर्थकों को पूरी तरह संतुष्ट ही कर देगा, ऐसा मानने में संदेह है।

शांति प्रक्रिया का निर्णायक पक्षकार

अमेरिका के शीर्ष दूत जलमय खलीलजाद और तालिबान के प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौते के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी तय दिख रही है। अगले अठारह महीने में अमेरिकी सैनिक स्वदेश लौट जाएंगे। तालिबान ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि वह उसके खिलाफ काबुल सेकिसी तरह की आतंकवादी गतिविधियां नहीं होने देगा। निश्चित तौर पर भारत इस वार्ता की सफलता और भविष्य को लेकर चिंतित हुए बिना नहीं रह सकता क्योंकि तालिबान और उसे खड़ा करने वाला पाकिस्तान, दोनों नईदिल्ली के लिएमुसीबतें खड़ी करते रहते हैं। अफगानिस्तान में 2002 से अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और अमेरिका की पहल से भारत काबुल के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में शामिल है। अमेरिकी दूत जलमय और तालिबान के बीच जो समझौता हुआ है, उसे लेकर आशंकाएं भी हैं। इसीलिए भारत तथा अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफगनी की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

असलियत है कि बहुत से महत्त्वपूर्ण मुद्दे अनसुलझे हैं। सबसे चिंतित करने वाली बात है कि दोहा वार्ता में अफगानिस्तान सरकार को शामिल नहीं किया गया जबकि वह अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया का निर्णायक पक्षकार है। दूसरी बात, अफगान सरकार और तालिबान के बीच अभी तक सीधी वार्ता नहीं हुई है। आखिर, इन दोनों पक्षों को ही युद्ध विराम और अफगानिस्तान की भावी राजनीतिक व्यवस्था का निर्धारण करना है। सर्वाधिक चिंतनीय यह है कि युद्ध विराम और अफगान सरकार का रुख नकारात्मक रहा है। फरवरी के अंत में खलीलजाद और तालिबान के बीच तीसरे चक्र की वार्ता होगी। इसके बाद स्थिति और साफहोगी। लेकिन अमेरिका-तालिबान वार्ता से इतना स्पष्ट है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में लंबी लड़ाईलड़ने का धैर्य नहीं है। अमेरिका ने ही नियंत्रण आतंकवाद से लड़ने की पहल की थी और इसे परास्त किए बिना वह भाग रहा है। यह भी दावे सेनहीं कहा जा सकता कि अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में शांति लौट ही आएगी। अमेरिका-तालिबान बातचीत का सूत्रधार पाकिस्तान है। लेकिन यक्ष प्रश्न है कि क्या वास्तव में वह अफगानिस्तान में शांति, खुशहाली और समृद्धि देखना चाहता है।

सत्संग

अहंकार

अभिमान और अहंकार देखने में एक जैसे लगते हैं, पर उनकी प्रकृति और परिणति में जमीन-आसमान जैसा अंतर है। अहंकार भौतिक पदार्थों या परिस्थितियों का होता है। धनबल, सौंदर्यबल, साधन, शिक्षा, कला-कौशल आदि के बलबूते अपने को दूसरों से बड़ा मान बैठना, दर्प दिखाना और पिछड़ों का तिरस्कार, उपहास करना अहंकार है। स्वाभिमान आत्मगौरव के संरक्षण एवं अभ्युदय का प्रयास है। इसमें आंतरिक उत्कृष्टता को अक्षुण्ण रखने का साहस होता है। दबाव या प्रलोभन पर फिसल न जाना और औचित्य से विचलित न होना स्वाभिमान है। इसकी रक्षा करने में बहुधा कष्ट-कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है और दुर्जनों का विरोध भी सहना पड़ता है। जब अहंकार बढ़ने लगता है तो व्यक्ति की संवेदनशीलता, सरसता और सगुणों का ह्रास होने लगता है। इस मनोविकृति के भार से मनुष्य बोझिल बनता है और उसका विकास अवरुद्ध होता है। शास्त्रों का कथन है कि "अहंकार' ने ही आत्मा को पूवी की खूंटी से बांध रखा है। आत्मा इसी विकार के कारण व्यर्थ के देहानुशासन से आबद्ध है और इसीलिए वह परमतत्त्व से वंचित है। मनीषियों का कहना है कि अहंकार मनुष्य को गिराता है। उसे उद्दण्ड और परपीड़क बनाता है। उसे साथियों को पीछे धकेलने, किसी के अनुग्रह की चर्चा न करने, दूसरों के प्रयासों को हड़प जाने के लिए अहंकार ही प्रेरित करता है, आमतौर से कृतघ्न होते हैं और अपनी विशेषताओं और सफलताओं का उल्लेख बढ़-चढ़कर बार-बार करते हैं। उनमें नम्रता, विनयशीलता का अभाव होता जाता है। सो ऐसे व्यक्ति दूसरों की नजर में निरंतर गिरते जाते हैं, घृणास्पद बनता हैं। ऐसे लोग अपने शत्रुओं की संख्या बढ़ाते हैं और अन्ततः घाटे में रहता है। आत्म-सम्मान की रक्षा करनी हो तो अहंकार से बचना ही चाहिए। तत्ववेत्ता मनीषियों का कहना है कि प्रायः घर-द्वार छोड़ने और वैराग्य की चादर ओढ़ लेने पर भी अहंकार नहीं छूटता। ऐसा व्यक्तिसोचता है कि मैंने बहुत बड़ा त्याग किया है। इसी तरह धन छोड़ देने या दान कर देने की भी अहम वृत्ति बनी रहती है। तथाकथित मोहमुक्तों का भी स्त्री-बच्चों के प्रति लगाव कहां छूटता है? बड़े ओहदे, पद-प्रतिष्ठा को छोड़ देने वाले भी इस अहंभाव से ग्रस्त पाए जाते हैं।

बजट में उपाय

सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान अस्सी हजार के लक्ष्य के विपरीत 35,134 करोड़ रुपये का आहरण किया। इसके कारण भी कमी आ सकती है। हमारा मानना है कि वित्तीय गिरावट कम होगी जिसे या तो परिव्यय नियंत्रण या सार्वजनिक उद्यमों से अधिक लाभांश लेकर संभाला जा सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए कुछ ठोस उपाय किए जाने आवश्यक हैं। ढांचागत सुधार करने होंगे ताकि कृषि क्षेत्र में सुधार आ सकें। लेकिन इन उपायों के नतीजे मिलने में कुछ समय लग सकता है। फिर भी, कुछ उपायों की घोषणा अवश्य होगी जिससे कि ग्रामीण मतदाताओं को लुभाया जा सके। प्रधानमंत्री ने किसानों की कर्ज माफी से इनकार किया है। लगता है कि सब्सिडी के स्थान पर नकद हस्तांतरण या डीबीटी जैसे उपाय किए जाएं। इसके अलावा, उम्मीद है कि आय में वृद्धि संबंधी उपायों की घोषणा होगी ताकि ग्रामीण मतदाता को अपने पक्ष में कुछ ठोस हुआ महसूस हो।

सतीश पेडणेकर

नरेन्द्र मोदी-नीत राजग सरकार संभवतः नियमित कवायद से हटकर बजट पेश करे। संभव है कि मतदाताओं के लिए लुभावने उपाय करे। शायद ग्रामीण मतदाताओं और शहरी मध्यम वर्ग, जिनकी बजट से काफी अपेक्षाएं हैं, को खुश करने की गरज से कुछ घोषणाएं करे। ध्यान रखना होगा कि सरकार की वित्तीय प्रतिबद्धता के चलते वित्तीय नीति में शिथिलता की गुंजाइश कम ही है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए वित्तीय घाटा जीडीपी का 3.3 प्रतिशत तक रखने का लक्ष्य है। दूसरी तरफ जीएसटी संग्रह कम रह जाने से लगता है कि इसे हासिल कर पाना आसान न होगा। सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान अस्सी हजार के लक्ष्य के विपरीत 35,134 करोड़ रुपये का आहरण किया। इसके कारण भी कमी आ सकती है। हमारा मानना है कि वित्तीय गिरावट कम होगी जिसे या तो परिव्यय नियंत्रण या सार्वजनिक उद्यमों से अधिक लाभांश लेकर संभाला जा सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए कुछ ठोस उपाय किए जाने आवश्यक हैं। ढांचागत सुधार करने होंगे ताकि कृषि क्षेत्र में सुधार आ सकें। लेकिन इन उपायों के नतीजे मिलने में कुछ समय लग सकता है। फिर भी, कुछ उपायों की घोषणा अवश्य होगी जिससे कि ग्रामीण मतदाताओं को लुभाया जा सके। प्रधानमंत्री ने किसानों की कर्ज माफी से इनकार किया है। लगता है कि सब्सिडी के स्थान पर नकद हस्तांतरण या डीबीटी जैसे उपाय किए जाएं। इसके अलावा, उम्मीद है कि आय में वृद्धि संबंधी उपायों की घोषणा होगी ताकि ग्रामीण मतदाता को अपने पक्ष में कुछठोस हुआ महसूस हो।

फसल बीमा योजना में बदलाव और योजना के तहत ज्यादा फसलों को लाने आदि जैसे उपाय किसानों के लिए आगे चलकर फायदेमंद हो सकते हैं। उम्मीद है कि कृषि ऋण प्रवाह और ग्रामीण क्षेत्रमें ढांचागत सुविधाओं पर परिव्यय बढ़ाया जा सकता क्योंकि आने वाले आम चुनाव में सरकार को ग्रामीण मतदाताओं के समर्थन की बहुत जरूरत होगी। सरकार गरीबों के लिए, बहुचर्चित न्यूनतम आय की गारंटी (यूनिवर्सल बेसिक इन्कम) की रूपरेखा पेश कर सकती है। लेकिन समय इतना कम बचा है कि इस वर्ष इसका कार्यान्वयन संभव नहीं लगता। अलबत्ता, इसका बजट में उल्लेख जरूर किया जा सकता है, और संभव है कि भाजपा के घोषणा पत्र (अन्य पार्टियों के घोषणा पत्रों में भी) में इसका उल्लेख हो। प्रत्यक्ष करों की समग्र समीक्षा लंबित पड़ी है, और हो सकता है कि अभी इसमें और समय लगे। लेकिन सरकार मौजूदा स्लैबों में कुछ बदलाव कर सकती है ताकि शहरी मध्यम वर्ग, जो प्रत्यक्ष करों में सर्वाधिक योगदान करता है, को खुश किया जा सके। सर्वाधिक संभावना है कि न्यूनतम कर स्लैब को ढाई लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया जाए। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के लिए छूट में इजाफा हो सकता है। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80-सी के तहत प्राप्त छूट में इजाफा किया जा सकता है। हो सकता है कि इसे डेढ़ लाख से बढ़कर ढाई लाखरुपये कर दिया जाए। सरकार यह सब करती है तो यकीनन मध्यम वर्ग में अपनी पैठ मजबूत कर लेगी। आम चुनाव में इन उपायों से भाजपा को मजबूत होने में मदद मिलेगी। हमारा मानना है कि बीते वर्ष लागू किए गए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर को लेकर फिर से विचार किया जाना चाहिए। भारत को दरकार है कि दीर्घकालिक इक्विटी पूंजी उसकी घरेलू बचत दर के साथबढ़े ताकि वह जरूरी पूंजी का अपने से वित्त-पोषित कर सके। आम तौर पर कंपनियों द्वारा जुटाई जाने वाली पूंजी ऋण के रूप में होती है, जबकि वृद्धि पूंजी दीर्घकालिक प्रकृति की होनी जरूरी है। कंपनियां इक्विटी, ऋण या अन्य मिश्रित माध्यमों से वित्त पोषण कर सकती हैं। हमें लगता है कि देश में इक्विटी संस्कृति को एलटीसीजी का अच्छे से इस्तेमाल करके बढ़ावा दिया जाए। इससे इक्विटी माध्यमों को प्रोत्साहन मिल सकता है। इक्विटी बाजार में अभी दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर तथा सिक्यूरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी), दोनों देय हैं, हम चाहेंगे कि यह एकरूपता या तो एसटीटी के उन्मूलन से समाप्त हो या पूंजीगत लाभ पर कर के आकलन के समय एसटीटी का भुगतान ऋण मुहैया कराके किया जाए। मौजूदा कर नीति से लाभांश पर दोहरे/तिहरे कराधान का बोझ पड़ता है, और कुछतार्किक उपाय किए जाने का निवेश क्षेत्र में स्वागत ही होगा। दीर्घकालिक पूंजी वर्धन के लिए इक्विटी सवरेत्तम जरिया है, जिससे मुद्रास्फीति के असर से बचे रहने के साथ ही सेवानिवृत्ति बाद बचत का लाभ मिल सकता है। आज जब "इक्विटी संस्कृति' को प्रोत्साहन की जरूरत है, तो

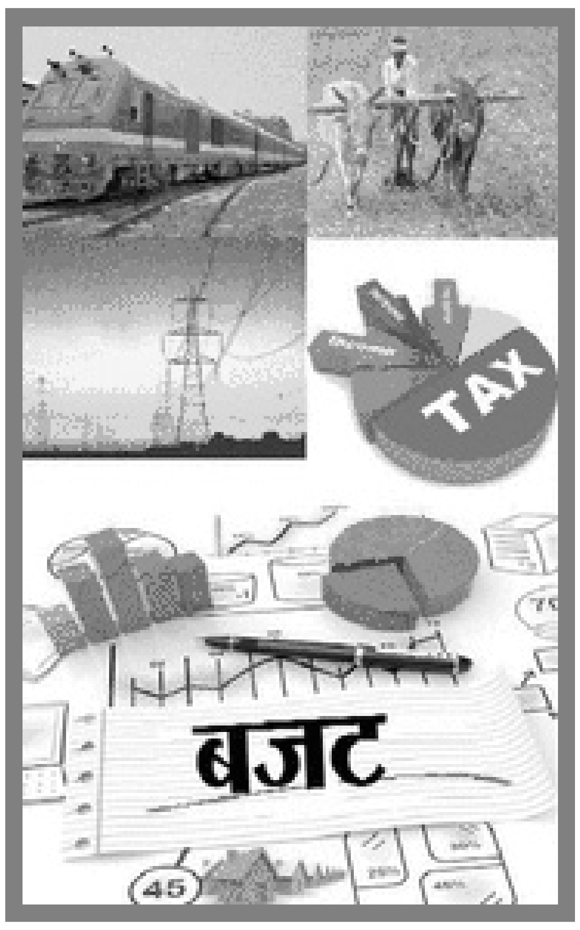

दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों पर कर उचित नहीं। दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों पर कर में छूट दी जा सकती है बशर्ते ऋण माध्यमों को तीन साल या उससे ज्यादा अवधि का रखा जाए। इससे इक्विटी में बचत को बढ़ावा मिलेगा। अभी आयकर अधिनियम की धारा 54 ईसी दीर्घकालिक पूंजी परिसंपत्ति के हस्तांतरण से होने वाले पचास लाख रुपये तक के पूंजीगत लाभ पर करदाताओं को राहत देती है। शर्त यह है कि करदाता प्राप्त धन को बिक्री संबंधी लेन देने होने के छह माह के भीतर कुछ नियत बांडों में निवेशित कर दे। जहां तक कॉरपोरेट कर की बात है, तो 25 प्रतिशत कर की सीमा को बढ़ाया जा सकता है। अभी यह कर 250 करोड़ रुपये से कम राजस्व अर्जित करने वाली फर्मों पर लागू होता है। इसे बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये किया जा सकता है। जहां तक ढांचागत क्षेत्रकी बात है, तो हमें उम्मीद है कि पिछले बजट में इस मद पर जो आवंटन किया गया था यानी 5.97 ट्रिलियन रुपये के आवंटन में इजाफा किया जाएगा। भारतमाला, सागरमाला, आवास, स्वच्छता और जल संबंधी जरूरतों जैसी महत्त्वाकांक्षी पहलों पर ज्यादा तवज्जो देने के लिए बजट में उपाय होंगे। उम्मीद है कि रेलों के आधुनिकीकरण, विद्युतीकरण और सुरक्षा जैसे कायरे के लिए आवंटन बढ़ेगा। पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में शुल्क ढांचा युक्तिसंगत बनाया जाएगा ताकि घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिल सके। कहना यह कि लेखानुदान विकास में सहायक होने वाला होने के साथही लोकलुभावन भी होगा जिसमें किसानों और शहरी मध्यम वर्ग की चिंता ज्यादा झलकेगी। लेकिन हम यह नहीं कहते कि सरकार खजाना लुटा दे। सरकार को राजस्व भी बढ़ाना होगा और आने वाले वर्ष में विनिवेश को भी गति देनी है यानी एक संतुलन बनाए रखना है।

चलते चलते

ईवीएम मशीन

ईमानदारी और बेईमानी में उसका बंटवारा हो गया है। अच्छाई और बुराईमें बंटवारा हो गया है। अपने और पराए में बंटवारा हो गया है। एक के लिए वह विलेन है तो दूसरे के लिए वह हीरो है। विपक्षवाले यह दिखा रहे हैं कि यह मशीन हमारी कहां है।

ईवीएम मशीन जो कल तक हमारी थी, हम सबकी थी, देश की थी, वह अब इनकी और उनकी हो गई है। ईमानदारी और बेईमानी में उसका बंटवारा हो गया है। अच्छाई और बुराई में बंटवारा हो गया है। अपने और पराए में बंटवारा हो गया है। एक के लिए वह विलेन है तो दूसरे के लिए वह हीरो है। विपक्षवाले यह दिखा रहे हैं कि यह मशीन हमारी कहां है साहब, यह तो सरकार की है और सरकार की है तो भाजपा की है। यह उसे ही जिताती है। इसलिए यह हमें नहीं चाहिए। हमारे लिए तो कागज, मोहर, पेटी वगैरह ठीक है। पर सरकार है और जाहिर है कि सरकार है तो भाजपा है कि उसे कलेजे से लगाए बैठी है। गोदी से उतार ही नहीं रही। विरोधियों की नजर से बचाने के लिए उसे काला टीका लगा रही है। उसकी नजर उतार रही है और विपक्ष को कोस रही है तुम लोग इतना जलते क्यों हो, तुम्हें इससे इतनी ईर्ष्या क्यों है? यह इतनी अच्छी है, इसीलिए क्या? जबकि विपक्ष को वह फूटी आंख नहीं सुहा रही। यह मोहल्ले के उस छोकरे की तरह हो गई है, जो घरवालों का तो लाड़ला है, लेकिन जिससे पड़ोसी बहुत तंग हैं क्योंकि वह उनके खिड़कियों और दरवाजों के कांच तोड़ता रहता है। घरवाले उससे उसी तरह से तरह-तरह की उम्मीदें लगाए बैठे हैं जैसे इकलौते बेटे का बाप अपने लाड़ले से उम्मीद लगाए बैठा रहता है कि मेरा नाम करेगा रौशन, जग में मेरा राजदुलारा। लेकिन पड़ोसी इस चिंता में डूबे रहते हैं कि पता नहीं कब यह लफंगा हमारी इज्जत से खेल जाएगा? एक बार तू-तू, मैं-मैं होने के बाद घरवाले भी और पड़ोसी भी थोड़े दिन तो चुप रहते हैं और फिर कोई ऐसी बात हो जाती है कि वही तू-तू, मैं-मैं फिर शुरू हो जाती है। अब देखिए फिर शुरू हो गई। बल्कि अभी तक तो इससे होशियारी, बेईमानी, छल-कपट और अविश्वास ही जुड़ा हुआ था। पर अब तो इसका मामला बिल्कुल क्राइम थ्रिलर वाला हो गया है। अब इससे रहस्य-रोमांच सब जुड़ गया है, बल्कि हत्याएं तक जुड़ गई हैं। और हत्याएं भी एकाध नहीं, पूरी-पूरी टीम का सफाया हो जाने का हल्ला है। एक-दो तो नेताओं के भी नाम आ गए हैं। अभी तक इसका मामला ऐसा था कि भैया अपने लाड़ले को संभालो। पर अब विरोधी कह रहे हैं कि भैया इसका चरित्र बड़ा ही संदेहास्पद हो चुका है। जांच कराओ।

फोटोग्राफी...

कुंभ मेले में शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती द्वारा बुलाई गई परम धर्म संसद में बैठे साधु-संत।

अवैध खनन

गलत तरीके से कोयला खनन पर एनजीटी और सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा रखी हो, मगर अभी भी बहुत ही सुनियोजित तरीके से इसे अंजाम दिया जा रहा है। मेघालय के कोयला खदानों में 15 मजदूरों के फंसने और 40 दिन बाद दो शव बरामद होने से इसकी गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। अवैध खनन एक फलता-फूलता व्यवसाय बना हुआ है। और यह खेल सालों से यहां अंजाम दिया जा रहा है। वह भी गरीब, अनपढ़ और दूरदराज के राज्यों से दो जून का निवाला पाने के वास्ते आए मजदूरों की जिंदगी के दम पर। जबकि पेशेवर तरीके से खनन करने के लिए, सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है और सुरक्षा नियमों का पालन होना निहायत जरूरी होता है। मेघालय ही नहीं झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में नियम-कायदों को ठेंगा दिखाते हुए किस तरह कोयला निकाला जाता रहा है, यह न तो सरकार की नजरों से छुपा हुआ है और न ही प्रशासन के। अनियमितता और अवैध काम दिखता है तो सिर्फ अदालतों को और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण को। मगर इनकी सुनता कौन है? इनकी चिंताओं से सरकार को लगता ही नहीं कि कोई सरोकार है। अगर ऐसा होता तो न मेघालय के कोयला खदानों में मजदूरों की मौत होती न झारखंड के खदानों में। इस हकीकत से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं कि गैरकानूनी तरीके से खनन करने से पर्यावरण को किस कदर नुकसान पहुंचता है। चूंकि खनन का काम बेहद तकनीकी और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर होता है किंतु अवैध खनन करने वालों के लिए ये सारी बातें बेमानी हैं। रिपोर्ट में बताया गया था कि मेघालय में करीब 24 हजार खानें हैं, जिनमें से अधिकतर अवैध हैं। यह सिर्फमेघालय तक ही सीमित नहीं है। राजस्थान में पत्थर और खनिज के अवैध खनन को लेकर भी राजस्थान उच्च न्यायालय की टिप्पणी गौर करने लायक है। हाईकोर्ट ने सीधे खनन विभाग और राज्य सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया कि "वे लोक कल्याणकारी राज्य बनने के बजाय राष्ट्रीय संपत्ति और मानव जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।' अपनी सख्त टिप्पणी में न्यायालय ने कहा कि "अगर इसे रोका न गया तो ये लोग हाईकोर्ट को भी खोद डालेंगे।' सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि विभिन्न राज्यों में अवैध खनन जारी है।

खनन के लिए नियम मौजूद हैं लेकिन राज्यों के स्तर पर उनका उल्लंघन हो रहा है। समस्या की जड़ पर अंगुली रखते हुए न्यायालय ने कहा कि "समय के साथ हमने महसूस किया है कि कमी कानूनों में नहीं हमारे चरित्र में है।' शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से अवैध खनन के पूरे मकड़जाल और धूर्तता को सहजता से समझा जा सकता है। सब कुछ खम ठोककर और ठसक के साथ अंजाम दिया जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक की भूमिका में है। न तो हरित प्राधिकरण की चिंताओं को सलीके से समझा जा रहा है और न सर्वोच्च अदालत की सख्ती से किसी को भय है। पर्यावरण की चिंता तो खैर बहुत दूर की बात है। तसकर को वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सोचना ही होगा। जिन क्षेत्रों में अवैध खनन होता है, वहां नियमित रूप से निरीक्षण टीम की तैनाती होनी चाहिए। अवैध खनन क्षेत्रों में खदान से निकलने वाले रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी समय-समय पर जांच हो। सामाजिक दायित्वों का भी बोध जरूरी है। बिना ये उपाय किए सुधार की बात बेमानी ही कही जाएगी। लिहाजा ऐसे मामलों में लापरवाही ठीक नहीं।

संक्षिप्त समाचार

सिमडेगा की बेटी ने रोशन किया शहर का नाम, बनी हॉकी टीम की कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क । झारखंड के सिमडेगा की रहने वाली सलीमा टेटे को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है। 8 से 13 फरवरी तक लखनऊ और गोरखपुर में फ्रांस के साथ होने वाली घरेलु सीरीज में सलीमा टीम का नेतृत्व करेगी। सलीमा के भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान बनने की खुशी व्यक्त करते हुए कोच प्रतिमा बारवा ने कहा गरीबी से जूझकर सलीमा ने झारखंड और सिमडेगा का नाम रौशन किया है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में सलीमा से प्रेरणा लेकर बहुत से बच्चे हॉकी के लिए प्रेरित होंगे। सिमडेगा के उपायुक्त जटाशंकर चौधरी ने सलीमा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिमडेगा अब किसी मामले में पीछे नहीं है। देश के लोग अब सिमडेगा को जान रहे हैं और सलीमा का कप्तान बनना जिले के लिए गौरव की बात है। दूसरी तरफ झारखंड हॉकी संघ के उपाध्यक्ष मनोज प्रसाद ने कहा कि सिमडेगा में हॉकी के कई होनहार खिलाड़ी हैं और उन्हें सलीमा से सीख लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंची बार्सिलोना

बार्सिलोना । अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बार्सिलोना ने सेविला के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में शानदार जीत हासिल कर कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में प्रवेश हासिल किया। कैम्प नाउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मैच में बार्सिलोना ने सेविला को 6-1 से हराया। इससे पहले, कोपा डेल रे क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बार्सिलोना को सेविला के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में दूसरे चरण का मैच उसके लिए इस टूर्नामेंट में शानदार वापसी है। फिलिप कोटिन्हो ने 13वें ही मिनट में पेनाल्टी पर गोल करते हुए स्पेनिश क्लब का खाता खोला। इसके बाद इवान राकिटिक ने 31वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने इस मैच में अपने दबदबे को कायम रखा। सर्गी रोबटरे ने 54वें मिनट में गोल करते हुए टीम को सेविला के खिलाफ 3-0 से बढ़त दी। कोटिन्हो ने एक बार फिर 53वें मिनट में बार्सिलोना के लिए इस मैच का चौथा गोल किया। इस दौरान सेविला को भी खाता खोलने का मौका मिला, लेकिन यह इस मैच में उसकी ओर से किया गया एकमात्र गोल था। एराना लोपेस ने 67वें मिनट में टीम के लिए पहला और आखिरी गोल दागा। बार्सिलोना ने इसके बाद, 89वें मिनट में लुइस सुआरेज और 92वें मिनट में अपने अनुभवी खिलाड़ी लियोनेल मेसी की ओर से दागे गए गोल के दम पर इस मैच में सेविला के खिलाफ 6-1 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल के परिणाम को पलटते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बार्सिलोना के अलावा, वालेंसिया और रियल बेतिस क्लब ने भी कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

सायना नौवें नंबर पर कायम, सिंधू एक स्थान गिरीं

नई दिल्ली । रयो ओलंपिक की स्वर्ण विजेता स्पेन की कैरोलिना मारिन के फाइनल में चोट के कारण मैच छोड़ने के बाद इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीतने वाली भारत की सायना नेहवाल विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में अपने नौंवे स्थान पर कायम हैं। सायना जहां अपने नौंवे स्थान पर कायम हैं वहीं मारिन दो स्थान के सुधार के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गयी हैं। भारत की पी वी सिंधू को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह चौथे नंबर पर खिसक गयी हैं। पुरुषों में भारत के किदांबी श्रीकांत एक स्थान के सुधार के साथ सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।पुरुषों में भारत के किदांबी श्रीकांत एक स्थान के सुधार के साथ सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। पुरुषों में जापान के केंतो मोमोता और महिलाओं में चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग का शीर्ष स्थान बना हुआ है।

आईसीसी सीईओ रिचर्डसन ने कहा- गांगुली की बजाय कोहली के नेतृत्व में टीम इंडिया ज्यादा संतुलित

नई दिल्ली । आईसीसी के मुख्य कार्यकारी डेव रिचर्डसन ने आगामी विश्व कप के लिए टीम इंडिया को फेवरेट बताया है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने वर्तमान भारतीय टीम को बेहद संतुलित करार देते कहा कि इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय टीम खिताब जीतने की दावेदार है। रिचर्डसन बोले- विश्व कप 2019 में 10 सर्वश्रेष्ठ टीमें भाग लेंगी। भारत इस समय बहुत अच्छा खेल रहा है और खिताब का दावेदार है। इंग्लैंड वनडे में सर्वश्रेष्ठ टीम है जबकि दक्षिण अफ्रीका भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। विश्व कप कौन जीतेगा इस तरह की भविष्यवाणी करना मुश्किल है। रिचर्डसन ने इस दौरान कोहली के नेतृत्व वाली 2003 वर्ल्ड कप की टीम की बजाय वर्तमान टीम को हर विभाग में मजबूत बताया। उन्होंने कहा- भारत ने 4-5 सालों में जिस तरह से प्रगति की है वह शानदार है। हालांकि गांगुली की अगुवाई वाली उक्त भारतीय टीम में सहवाग, सचिन और द्रविड़ जैसे बल्लेबाज थे लेकिन तब उनकी गेंदबाजी थोड़ा कमजोर थी। वर्तमान टीम बेहद संतुलित है। उसकी गेंदबाजी भी मजबूत है और उसे हराना आसान नहीं है। टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखने पर रिचर्डसन ने कहा- हमने रैंकिंग के अनुसार ग्रुप बनाए हैं।

ग्रास कोर्ट पर इटली को हराकर उलटफेर करने उतरेगा भारत

कोलकाता । भारत शुक्रवार से यहां होने वाले क्वालीफायर में पूर्व चैंपियन इटली को हराकर शुरुआती डेविस कप ग्रुप फाइनल्स में क्वालीफाई करने के लिए फार्म में चल रहे प्रजनेश गुणेश्वरन और अनुकूल घरेलू हालात पर निर्भर करेगा। मुकाबले की पूर्व संध्या पर आधिकारिक ड्रा के दौरान इटली ने हैरानी भरा फैसला करते हुए अपने शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी मार्को सेचिनातो को एकल मुकाबलों से बाहर रखा। एकल में टीम का प्रतिनिधित्व अनुभवी आंद्रियास सेप्पी और डेविस कप में पदार्पण कर रहे 22 साल के मातियो बेरेटिनी करेंगे। पहले एकल में रामकुमार रामनाथन की भिड़ंत दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी सेप्पी से होगी जबकि बेरेटिनी भारत के नंबर एक खिलाड़ी प्रजनेश से भिड़ेंगे। सेचिनातो युगल मुकाबले के लिए आस्ट्रेलिया ओपन 2015 के चैंपियन विशेषज्ञ युगल खिलाड़ी साइमन बोलेली के साथ जोड़ी बनाएंगे। इस जोड़ी को युगल में रोहन बोपन्ना और दिविज शरण की भारत की मजबूत जोड़ी से भिडना होगा। आमूलचूल बदलाव के बाद अब डेविस कप में दुनिया भर से 12 क्वालीफायर टीमें नवंबर में मैड्रिड में होने वाले फाइनल्स में जगह बनाएंगी। भारत ने इटली के खिलाफ चार मैच गंवाए हैं और सिर्फ एक मुकाबले में जीत दर्ज की है और ऐसे में मेजबान टीम ने 16 साल बाद अपने पसंदीदा कलकत्ता साउथ क्लब (सीएससी) पर वापसी की है। सीएससी कोर्ट पर भारत ने आठ मुकाबले जीते हैं जबकि उसे सिर्फ दो बार हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने यहीं इटली के खिलाफ भी अपनी एकमात्र जीत 1985 में विश्व ग्रुप के पहले दौर में दर्ज की थी। भारत को प्रारूप छोटे होने का भी फायदा मिल सकता है। क्वालीफायर के लिए दोनों टीमों में से एक की मेजबानी में होने वाले प्रारूप को बरकरार रखा गया है लेकिन मैच अब दो दिन में खेले जाएंगे। शुक्रवार को शुरुआती दो एकल मैच होंगे जबकि शनिवार को युगल और उलट एकल खेले जाएंगे। इसके अलावा मैच कड़े बेस्ट आफ फाइव की जगह बेस्ट आफ थ्री सेट में खेले जाएंगे जिससे उलटफेर की संभावना बढ़ जाती है। इटली के तीन खिलाड़ी शीर्ष 50 में शामिल हैं लेकिन इसके बावजूद वह इस मुकाबले को हल्के में नहीं ले सकता। भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान महेश भूपति पहले ही कह चुके हैं कि मेजबान टीम के लिए कोई बहाना नहीं है और उनकी टीम अच्छी शुरुआत के लिए अपने शीर्ष रैंकिंग के एकल खिलाड़ी प्रजनेश (102) पर निर्भर करेगी। आस्ट्रेलिया ओपन के साथ ग्रैंडस्लैम में पदार्पण के बाद लौटे बायें हाथ के प्रजनेश ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक ग्रास कोर्ट पर दर्ज की है जब उन्होंने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हराया था। शापोवालोव फिलहाल दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी हैं। एकल में जहां प्रजनेश से उम्मीदें होंगी वहीं सबसे अनुभवी भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना युगल में वापसी कर रहे दिविज शरण के साथ मिलकर लय जारी रखना चाहेंगे। इन दोनों ने इसी महीने टाटा महाराष्ट्र ओपन का खिताब जीता था। भारत को अपने विश्व ग्रुप प्ले आफ मैच में क्रालजेवो में सिर्बया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था और इटली के खिलाफ मुकाबला गैर खिलाड़ी कप्तान भूपति के लिए अग्निपरीक्षा होगा क्योंकि इस तरह की खबरें हैं कि उनका अनुबंध शायद नहीं बढ़ाया जाए। कलकत्ता साउथ क्लब डेविस कप के इतिहास में भारत के लिए भाग्यशाली रहा है। भारत ने 1974 में आस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर ईस्टर्न फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन रंगभेदी शासन के विरोध में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नहीं उतरने का फैसला करके खिताब गंवा दिया था। भारत ने इसी कोर्ट पर विश्व ग्रुप के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को वर्षा से प्रभावित मुकाबले में 3-2 से हराया था जिसे रैफरी ने 'ब्लैक मैजिक' करार दिया था क्योंकि रात भर बारिश होने के बावजूद मेजबान ने कोर्ट को मुकाबले के लिए तैयार कर दिया था।

प्रीमियर लीग : मेग्विरे के गोल से लिसेस्टर ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका

लिवरपूल । हैरी मेग्विरे की ओर से किए गए गोल के दम पर लिसेस्टर सिटी क्लब ने प्रीमियर लीग मैच में लिसेस्टर सिटी क्लब को ड्रॉ पर रोका। जानकारी के अनुसार, लिवरपूल और लिसेस्टर के बीच बुधवार देर रात एनफील्ड स्टेडियम में खेला गया यह मैच 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लिवरपूल ने इस मैच की अच्छी शुरुआत की थी। उसने तीसरे मिनट में सादियो माने की ओर से किए गए गोल से अपना खाता खोला। माने के गोल के दम पर मिली इस बढ़त को लिसेस्टर ने अधिक समय तक बरकरार नहीं रखा। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में मेग्विरे (47वें मिनट) किए गए गोल से टीम ने स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जबरदस्त संघर्ष किया लेकिन किसी को भी गोल करने का अवसर हासिल नहीं हुआ और अंत में मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अंक तालिका में शीर्ष-6 टीमों को छोड़कर लिसेस्टर ऐसी पहली टीम है जो इस सीजन में लिवरपूल को हराने में असफल रही है। इस हार के कारण लिवरपूल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी क्लब से केवल पांच अंकों की बढ़त ही बना पाया है। शीर्ष पर काबिज लिवरपूल के 61 अंक हैं, वहीं सिटी के पास 56 अंक हैं।

फिर जीरो पर आउट हुए केएल राहुल, इंग्लैंड ने एक विकेट से जीता मैच

तिरूवनन्तपुरम । बेन डकेट की विषम परिस्थितियों में खेली गयी 70 रन की नाबाद पारी के दम पर इंग्लैंड लायन्स ने गुरुवार को यहां कम स्कोर वाले पांचवें और अंतिम अनधिकृत एकदिवसीय मैच में भारत ए को एक विकेट से हराकर उसकी श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ए की टीम बल्लेबाजी के लिये मुश्किल परिस्थितियों में 35 ओवरों में 121 रन पर ढेर हो गयी लेकिन उसने इंग्लैंड लायन्स को आसानी से लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। अगर डकेट ने 86 गेंदों पर दस चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 70 रन की पारी नहीं खेली होती तो मैच का परिणाम अलग होता। डकेट ने एक छोर संभाले रखा जिससे इंग्लैंड लायन्स ने 30.3 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन बनाकर जीत दर्ज की। भारत ए ने इस तरह से पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 से जीती। उसके पास क्लीन स्वीप करने का बेहतरीन मौका था लेकिन बल्लेबाजों ने उसे निराश किया। पहले बल्लेबाजी के लिये उतरी भारतीय टीम के केवल तीन बल्लेबाज सिद्धेष लाड (36), अक्षर पटेल (23) और दीपक चाहर ही दोहरे अंक में पहुंचे। इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने 24 रन देकर तीन और टाम बैली ने 23 रन देकर दो विकेट लिए। इंग्लैंड लायन्स के लिये भी लक्ष्य तक पहुंचना आसान नहीं रहा लेकिन डकेट की पारी अंतर पैदा कर गयी। उनके बाद दूसरा बड़ा स्कोर सैम हैन (12) का था। तेज गेंदबाज दीपक चाहर (25 रन देकर तीन) और उनके छोटे भाई लेग स्पिनर राहुल चाहर (43 रन देकर तीन) के अलावा अक्षर पटेल (22 रन देकर दो) की गेंदबाजी से भारत ए की जीत की संभावना बन गयी थी। इंग्लैंड लायन्स ने जब नौवां विकेट गंवाया तब वह लक्ष्य से आठ रन पीछे था लेकिन 11वें नंबर के बल्लेबाज टाम बैली ने 11 गेंदों पर अपना विकेट बचाए रखा और दूसरे छोर से डकेट ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

चौथे वनडे ने हमारा वास्तविकता से सामना कराया : भुवनेश्वर

हैमिल्टन । भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ भुवनेश्वर कुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 8 विकेट से करारी हार के बारे में कहा कि इससे टीम को सीरीज के बाकी बचे मैचों से पहले वास्तविकता का सामना करना पड़ा है। भारत की दमदार बल्लेबाजी चौथे वनडे में 30.5 ओवर में 92 रन पर आउट हो गई जो उसका 7वां न्यूनतम स्कोर है। न्यूजीलैंड पहले ही श्रृंखला गंवा चुका है और उसकी यह पहली जीत है। भुवनेश्वर ने मैच के बाद कहा- अगर आप पिछले कुछ महीनों के हमारे खेल पर गौर करो तो हमने अच्छी क्रिकेट खेली और कभी आपको ऐसे मैचों से गुजरना पड़ता है। इसलिए इससे हमें वास्तविकता का पता चला कि आगामी मैचों में हम क्या कर सकते हैं और हमें क्या सुधार करने हैं। उन्होंने कहा- श्रृंखला जीतने के बाद हम आत्मविश्वास से भरे थे लेकिन चीजें हमारे अनुकूल नहीं रही। मैं उनसे (न्यूजीलैंड के गेंदबाजों) श्रेय वापस नहीं लेना चाहता हूं। उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और हमें कोई मौका नहीं दिया। भुवनेश्वर ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि उन्होंने वास्तव में बहुत अच्छी गेंदबाजी की तथा ऐसी गेंदें डाली जिनको खेलना नामुमकिन था और हां कुल मिलाकर उन्होंने हमें पस्त कर दिया था। भारत ने 3-0 की अजेय बढ़त लेने के बाद कप्तान विराट कोहली को विश्राम दिया जबकि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए। भारत ने शुभमान गिल को पदार्पण का मौका दिया जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को भी मोहम्मद शमी की जगह टीम में रखा। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि भारत को इस मैच में कोहली की कमी खली। उन्होंने कहा- इस तरह के विकेट पर आपको हमेशा कोहली की कमी खलेगी लेकिन इसके साथ ही यह शुभमान गिल के लिए भी मौका था ।

फील्डिंग प्रैक्टिस में इस 'रोचक बदलाव' के चलते पांड्या ने पकड़ा था हवा में उड़ता कैच

हैमिल्टन । न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में भारतीय खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की हवा में उछलकर पकड़ी गई कैच काफी फेमस हुई थी। सोशल साइट्स पर क्रिकेट फैंस ने उक्त कैच की सराहना करने के साथ-साथ टीम इंडिया की सुधरती फील्डिंग की भी तारीफ की थी। अब टीम इंडिया के फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने आगे आकर बताया है कि कैसे उनकी टीम कुछ रोचक बदलाव कर जबरदस्त रिजल्ट हासिल कर रही है। श्रीधर ने बताया कि प्रतिक्रिया के समय में सुधार के लिए 'ब्लाइंडफोल्ड तकनीक', तेज हवा में गेंद की बदलती दिशा के अनुमान के लिए विभन्न भार की गेंद और स्लिप कैचिंग के लिए सिमुलेशन मशीन का इस्तेमाल जैसी चीजों ने भारतीय टीम की कैचिंग में काफी सुधार किया है। 'ब्लाइंडफोल्ड तकनीक' का इस्तेमाल विशेष तौर पर इंग्लैंड में लाल गेंद के क्रिकेट के लिए किया गया था जबकि 'टीममेट' नाम की सिमुलेशन मशीन का उपयोगी आस्ट्रेलिया में स्लिप कैचिंग के लिए किया गया। विशेष तौर पर 'ब्लाइंडफोल्ड तकनीक' के बारे मे पूछने पर श्रीधर ने कहा- गेंद फेंकने वाला पर्दे के पीछे होता है और कैच करने वाले को नहीं पता होता कि गेंद कहां से आने वाली है। उन्होंने कहा- हम इसे पर्दे के नीचे से फेंकते हैं... इससे प्रतिक्रिया के समय में सुधार होता है, इंग्लैंड में पूरी टेस्ट श्रृंखला के दौरान हमने विस्तृत रूप से ऐसा किया। यह विशेष रूप से लाल गेंद के क्रिकेट के लिए था। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान विभिन्न वजन की गेंदों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे कि खिलाडियों को हवा में ऊंची उठी गेंदों के लिए तैयार किया जा सके क्योंकि तेज हवा के कारण गेंद की दिशा बदलने का खतरा रहता है। श्रीधर ने कहा- स्लिप कैचिंग के लिए हम अलग तरह की मशीन 'टीममेट' लाए। हमने ब्लाइंडफोल्ड और प्रतिक्रिया पर काफी काम किया।

जब हम आस्ट्रेलिया पहुंचे तो हमें काफी अनुभव था और आप देख सकते हैं कि विराट ने कुछ शानदार कैच लपके। यह पूछने पर कि टीम हवा में ऊंची उठी गेंदों से निपटने के लिए क्या कर रही है। श्रीधर ने कहा- क्षेत्ररक्षक के रूप में न्यूजीलैंड में आपको जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। वह हवा है। अधिकांश बल्लेबाजी और गेंदबाजी योजनाएं हवा को लेकर बनाई जाती हैं।

उन्होंने कहा- अगर हम देखते हैं कि गेंद हवा में काफी हिल रही है तो हम अभ्यास में इसे दोहराने की कोशिश करते हैं, विभिन्न भार की गेंद का इस्तेमाल करते हैं जिससे कि गेंद हवा में अधिक मूव करे।

कोहली की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया हुई पस्त, महज 92 रन पर हुई ढ़ेर

नई दिल्ली । यूजीलैंड के कप्तान केन विलियिमसन ने गुरुवार को यहां सेडन पार्क मैदान पर खेले जा रहे चौथे वनडे मैच में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया है और भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया 30.5 ओवर में 92 रनों पर ही ढेर हो गई। भारत के लिए युजवेंद्र चहल ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए जबकि हार्दिक पंड्या ने 16 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से ट्रेंट बोल्ट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 21 रन देकर 5 विकेट झटके। इसके अलावा कोलिन डी ग्रैंडहोम ने 3 विकेट झटके। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 93 रन का आसान लक्ष्य मिला है। टीम इंडिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर युजवेंद्र चहल रहे, जिन्होंने 37 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 17 रन बनाए। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसे उनके गेंदबाजों ने सही ठहराया। ट्रेंट बोल्ट ने शिखर धवन (13) को एलबीडब्ल्यू आउट करके इसकी शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने रोहित शर्मा (7) और डेब्यूटेंट शुभमन गिल (9) के अपनी ही गेंद पर कैच लपके व टीम इंडिया को बैकफुट पर धकेला। बोल्ट को कॉलिन डी ग्रैंडहोम का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने अंबाती रायुडू और दिनेश कार्तिक को खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। रायुडू का कैच गप्टिल जबकि कार्तिक का कैच विकेटकीपर ग्रैंडहोम ने लपका। फिर बोल्ट ने केदार जाधव (1) को एलबीडब्ल्यू आउट करके अपना चौथा शिकार किया। इसके बाद ग्रैंडहोम ने भुवनेश्वर कुमार को (1) एलबीडब्ल्यू आउट करके टीम इंडिया को सातवां झटका दिया। इसके बाद हार्दिक पांड्या (16) ने चार चौके जमाकर टीम इंडिया को संभालने की उम्मीद जताई, लेकिन बोल्ट ने उन्हें लैथम के हाथों कैच आउट कराकर इस पर पानी फेर दिया। इसके बाद कुलदीप यादव (15) ने युजवेंद्र चहल के साथ मिलकर टीम इंडिया का स्कोर 80 रन तक पहुंचाया। दोनों क्रीज पर जमे ही थे कि टॉड एस्टल की गेंद पर कुलदीप ने स्वीप शॉट खेला। गेंद हवा में गई और बाउंड्री लाइन पर कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने उनका आसान कैच लपका। जिमी निशाम ने खलील अहमद (5) को क्लीन बोल्ड करके भारतीय पारी का अंत कर दिया। बता दें कि भारत पांच मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका है। अब उसकी कोशिश अपने विजयी क्रम को बरकरार रखने की है। वहीं किवी टीम बाकी के दो मैच जीत घर में अपना सम्मान बचाना चाहती है। इस मैच में भारत के नियमित कप्तान विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं। उन्हें सीरीज के बाकी दो वनडे और तीन टी-20 मैचों के लिए आराम दिया गया है।

कोहली के स्थान पर युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को पदार्पण का मौका मिला है। वहीं रोहित शर्मा टीम की कप्तानी कर रहे हैं। यह रोहित का 200वां वनडे मैच है। महेंद्र सिंह धोनी इस मैच में भी नहीं खेल रहे हैं। भारत ने एक और बदलाव किया है।

न्यूजीलैंड के हाथों टीम इंडिया की करारी शिकस्त के पीछे हैं 5 प्रमुख कारण

स्पोर्ट्स डेस्क । गुरुवार को हेमिल्टन में खेले गए चौथे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 14.4 ओवर में हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इस मैच में न्यूजीलैंड ने 212 गेंदें बाकी रहते हुए 93 रनों के लक्ष्य को पूरा कर मैच अपने नाम किया जोकि वनडे में भारत की अब तक की सबसे शर्मनाक हार रही। इससे पहले अगस्त 2010 में दांबुला में भारत को श्रीलंका ने 209 गेंदें शेष रहते हराया था। लेकिन यहां पर बड़ा सवाल यह बनता है कि आखिर इस हार का कारण क्या रहा। टॉस हारना पड़ा भारी : यह भी भारत की हार का एक कारण है। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमस ने टॉस जीता और पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड को गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर टॉस जीतने का फायदा मिला। उन्होंने भारत पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा जो अंत तक जारी रहा और भारतीय टीम 100 रन भी नहीं बना पाई। विराट कोहली की गैरमौजूदगी :- कोहली का ना खेलना भी भारतीय टीम की हार का एक बड़ा कारण है। रोहित बोल्ट को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठे तो इस मैच में धवन भी फैल हो गए जिससे कोहली के टीम में ना होने से मिडिल ऑर्डर भी बिखर गया। बोल्ट की जबरदस्त गेंदबाजी : ट्रेंट बोल्ट ने लगातार 10 ओवर बॉलिंग की। इस दौरान बोल्ट ने महज 21 रन दिए जबकि भारतीय टीम के 5 विकेट लेने में कामयाब रहे।

सूरत। ड्रीम इंडिया स्कूल सचिन में आयोजित वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कनकपुर नगर पालिका के आस-पास के लोगों ने भी बच्चों के इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुती दी गई।

अवैध रुप से बनाय गया एपार्टेमेंट

सूरत। उधन जोन विस्तार हद में आने वाले साई समर्पण को. सो. में आने वाली इस मिलकत में बिल्डर ने अपने मनमाने ढंग से एपार्टेमेंट बना दिया है। जिसमें कानून के हिसाब से न तो पार्किंग की जगह है और न ही किसी प्रकार के फायर सेफ्टि के लिए सेफ्टि के उपकरण लगाए गए है।

ओडिसा का हत्यारोपी सूरत से गिरफ्तार

सूरत। ओडिसा में हत्या मामले में एक वर्ष से फरार आरोपी को कोसंबा पुलिस ने नवापरा रोड दरबार होटल के पास से गिरफ्तार किया है।

जिले के कोसंबा पुलिस सूत्रों के अनुसार स्टाफ को सूचना मिली थी कि ओडिसा के छत्रपुर थाने में हत्या मामले में फरार आरोपी सुब्रत उभाचरण पटनायक पालोद की एक कंपनी में नौकरी करता है और हाल में नवापरा रोड दरबार होटल के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर सुब्रत पटनायक को पकड़कर ओडिसा के छत्रपुर पुलिस के हवाले किया। हत्या के आरोपी अकशर हत्या के बाद दुसरे शहरों दथा राज्यों श्रण लेते है।

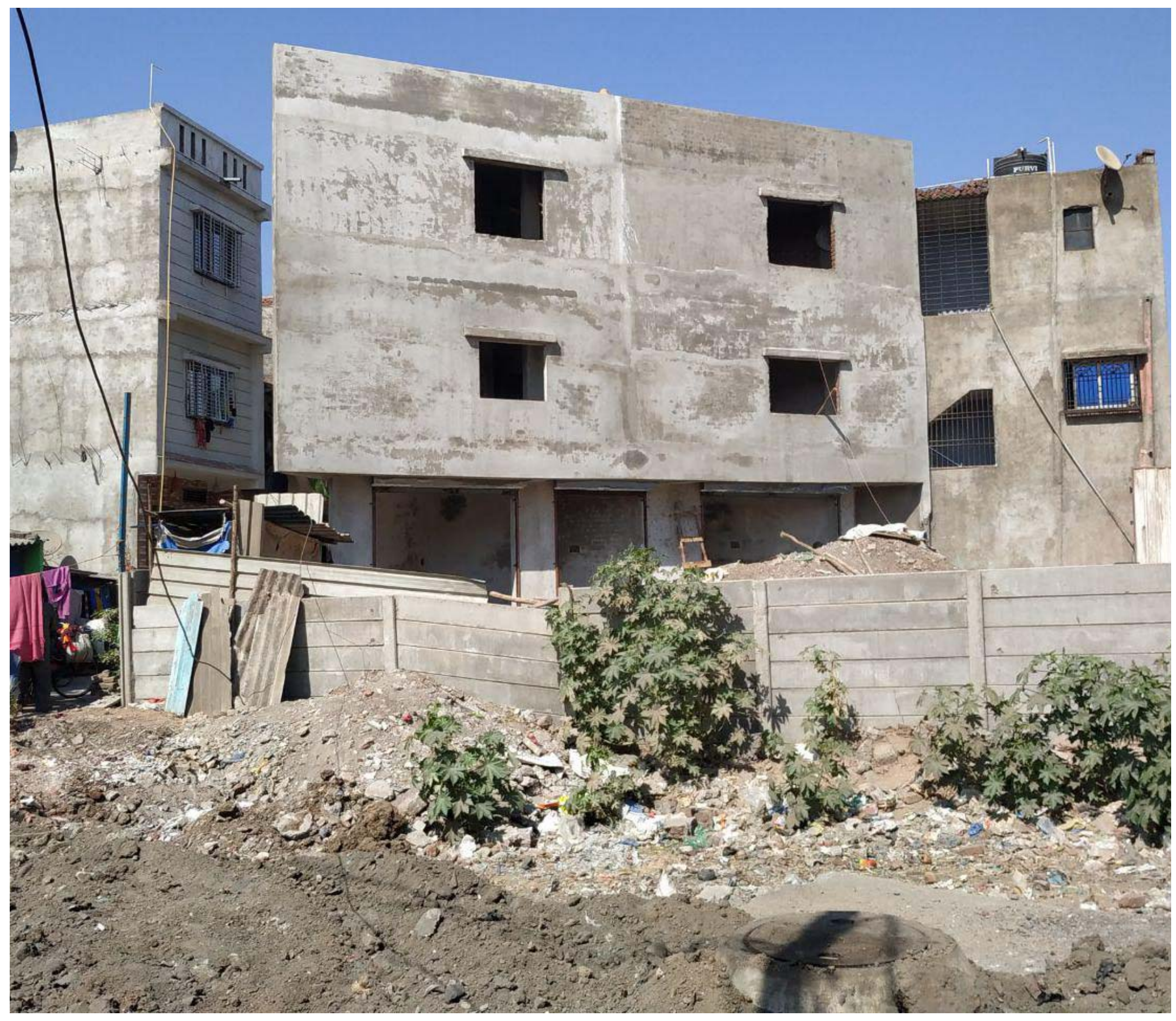

सूरत। केशव नगर उधना जोन इलाक में सोसायटी के मार्जिन की जगह पर गैर कायदेसर बांधकाम कर दिया गया है। इस बांधकाम पर सोसायटी के और जागरुक लोगों द्वारा कई बार उधना जोन के अधिकारियों को इसके बरे में अवगत कराया जा चुका है। लेकिन उधना जोन के अधिकारियों द्वारा इस पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है, ऐसा लगता है कि या इस बिल्डर द्वारा अधिकारियों को मोटी रकम देकर उनको दबा दिया गया है या फिर इसके संबंध किसी मोटी हस्ती से है।

शासक पक्ष द्वारा ८ हजार करोड़ के करीब बजट

एएमसी का संशोधित बजट करीब एक सप्ताह में पेश होगा

पेश किए गए ७५०९ करोड़ के बजट में शासक पक्ष भाजपा ४५० से ५०० करोड़ की वृद्धि करने की संभावना

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का वित्तीय वर्ष २०१९-२० का संशोधित बजट ८००० करोड़ रुपये को पार करने की संभावना है । म्युनिसिपल कमिशनर द्वारा पेश किए गए ७५०९ करोड़ के बजट में शासक पक्ष भाजपा द्वारा ४५० से ५०० करोड़ रुपये की वृद्धि करने की पूरी संभावना है और इसे लेकर शासक पक्ष का बजट ८ हजार करोड़ रुपये को पार करने का अनुमान है । शासक पक्ष का यह बजट करीब एक सप्ताह में पेश होने की पूरी संभावना है । सबसे महत्व की और उल्लेखनीय बात यह है कि, लोकसभा की आगामी चुनाव को लेकर शासक पक्ष भाजपा द्वारा विकास कार्यों और प्रॉजेक्ट को शामिल करके बजट को लुभावना बनाया जाए ऐसी पूरी संभावना है । सामान्य रूप से हर वर्ष उत्तरायन के आसपास म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और इसके संलग्न संस्थाओं के बजट एक के बाद एक पेश होते है, लेकिन इस बार वाइब्रेंट गुजरात, फ्लावर शो की वजह से देरी में रहे आयोजन, अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल तथा भाजपा के युवा और महिला मोर्चा की विभिन्न कार्यक्रमों की वजह से देरी हो रही है । हालांकि आगामी २० फरवरी पहले यह सभी बजट को बजट बैठक में मंजूरी दिलाकर राज्य सरकार को भेजा जाता है। जिसकी वजह से शासक पक्ष द्वारा ८००० करोड़ रुपये का संशोधित बजट आगामी ५ से ७ फरवरी को पेश करने की संभावना है । गत दिन शासक पक्ष द्वारा वीएस. अस्पताल और एमजे. पुस्तकालय की संशोधित बजट संबंधित संस्था के बोर्ड में पेश किया गया । इसके पहले शासको एएमटीएस और स्कूल बोर्ड की संशोधित बजट पेश कर चुके है । इस तरह, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन संलग्न चार संस्थाओं के संशोधित बजट पेश हुए हैं, जबकि म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा ने गत २२ जनवरी को ७५०९ करोड़ का ड्राफ्ट बजट पेश किया गया, जिसमें शासकों द्वारा ४५० करोड़ रुपये की वृद्धि करके करीब ८००० करोड़ रुपये का संशोधित बजट स्टेन्डिंग कमिटी के समक्ष रखा जाएगा ।

तीव्र ठंड में ३० विद्यार्थियों पर ठंडा पानी डालकर पिटाई

वलसाड । वलसाड जिले की सोनवाडा आश्रम स्कूल में विद्यार्थियों को क्रूर तरीके से पिटाई की गई। इतना ही नहीं कातिल ठंडी में ३० से ज्यादा विद्यार्थियों पर सुबह में ठंडा पानी का छिड़काव किया गया और उनकी पिटाई की गई । यह पूरी घटना सामने आने के बाद शिक्षक की हैवानियत सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, धरमपुर के हलपति सेवा संघ बारडोली संचालित आश्रम शाला सोनवाडा की यह घटना है। जहां धरमपुर के हनमतमाल सहित के गांवों के ३६ से ज्यादा मासूम बच्चों की पिटाई की गई । सोनवाडा आश्रमशाला में अभ्यास करते ३७ विद्यार्थी एक विशाल कमरे में रहते है । यह कमरे को गत २८ जनवरी को रात को ९.३० बजे आचार्य नरेश सोमाभाई पटेल की सूचना से शिक्षक बालकृष्म देवजी टंडेल ने बाहर से ताला मार दिया था। रात के दौरान आंबा जलंगल का कक्षा-६ में पढ़ते एक विद्यार्थी को शौचालय के लिए गया था । लेकिन रुम बाहर से बंद होने से रुम में ही शौच कर लिया था। इसी वजह से बालकृष्ण टंडेल नाम के शिक्षक नाराज हो गये थे ।

गुजरात में मतदाता की संख्या बढ़कर ४.४७ करोड़

मतदाता सूची में नये ६.६९ लाख मतदाता शामिल हुए

मतदाता सूची में नाम रजिस्ट्रेशन दर्ज कराना या बदलाव करने के लिए लगातार सुधार कार्यक्रम फिलहाल जारी

गांधीनगर। भारत के चुनाव आयोग द्वारा राज्य के सभी (७२-जसदण विधानसभा मत विभाग के अलावा) विधानसभा मत विभाग के लिए तारीख १ जनवरी २०१९ की योग्यता की तारीख के संदर्भ में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त सुधार के लिए एक कार्यक्रम घोषित किया गया इसके बाद मतदाता की तरफ से पेश किए गए अधिकार दावा और आपत्तिजनक कई अर्जी का समाधान बाद राज्य में शामिल सभी विधानसभा मत विभाग द्वारा जारी किए गए अंतिम मतदान सूची में ३१ जनवरी २०१९ की स्थिति तक मतदाताओं की संख्या में ६६९४८५ की बढ़ोतरी देखने को मिली राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. एस मुरली कृष्णा ने बताया। गुजरात राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा ३१ जनवरी २०१९ की स्थिति तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई है जिसमें राज्य के कुल ४४७४४७५९ मतदाओं में से २३२५५९३७ पुरुष मतदाता और २१४८७७६९ महिला मतदाता है । इसके अलावा तीसरी जाति के १०५३ मतदाता है । मतदाता सुधार कार्यक्रम के दौरान १०६९२३९ मतदाता शामिल हुए । ३९९७५४ मतदाता कम हुए हैं, इस तरह मतदाता संख्या में कुल ६६९४८५ बढ़ोतरी हुई है । मुख्य निर्वाचन अधिकारी के बताये अनुसार ३१ जनवरी २०१९ की स्थिति तक मतदाता सूची में राज्य में कुल ७६५६१२ मतदाता १८ से १९ वर्ष की उम्र के हो ८० वर्ष से ज्यादा उम्र के कुल ७३८४०२ मतदाता है । सबसे महत्व की बात यह है कि, मतदाता सूची में रजिस्ट्रेशन हुए मतदाताओं में से ९९.९९ फीसदी मतदाताओं की फोटो इमेज मतदाता सूची में शामिल किया गया है तथा ९९.९९ फीसदी मतदाताओं को चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता फोटो पहचानपत्र (ईपीआईसी) दे दिया गया है । मुख्य निर्वाचन अधिकारी के बताये अनुसार ३१ जनवरी २०१९ को संबंधित मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारी द्वारा प्रकाशित की गई अंतिम मतदाता सूची मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारी की ऑफिस, सहायक मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारी की ऑफिस, कलेक्टर और जिला चुनाव अधिकारी की ऑफिस, क्षेत्र और मामलतदार ऑफिस, संबंधित विभाग के बूथ लेवल ऑफिसर, टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर-१९५०, मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट और भारतीय चुनाव आयोग के राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल द्वारा www.nvsp.in पर उपलब्ध कराई गई है। मतदाता फोटो पहचानपत्र वाले मतदाता का नाम वर्तमान मतदाता सूची में शामिल होंगे तो ही संबंधित चुनाव में मतदान कर सकते है, जिसकी वजह से मतदाता सूची में नाम शामिल होने की जांच करने के लिए सर्वे नागरिक-मतदाताओं को अपील की गई है । मतदाता सूची की ३१ जनवरी-२०१९ को किया गया अंतिम प्रकाशित होने के बाद भी १ जनवरी -२०१९ की योग्यता की तारीख के संदर्भ में १८ वर्ष पूरा किया हो ऐसे योग्यता वाले युवा नागरिकों तथा मतदाता सूची में रजिस्ट्रेशन करने के लिए योग्यता वाले बाकी रहे सभी नागरिक लगातार सुधार के तहत मतदाता सूची में नाम दाखिल करने के संबंधित मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारी को निश्चित सेम्पल में अर्जी कर सकते हैं ।

गुजरात : मतदाता चित्र

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव बाद मतदाता सूची सुधार किया गया है। मतदाता सूची नीचे के अनुसार है।

कुल मतदाताओं की संख्या	४४७४४७५९
पुरूष मतदाताओं की संख्या	२३२५५९३७
महिला मतदाताओं की संख्या	२१४८७७६९
तीसरी जाति के मतदाता	१०५३
सुधार कार्यक्रम में शामिल हुए	१०६९२३९
कम किए गए मतदाता	३९९७५४
कुल बढ़ोतरी हुई	६६९४८५

अल्पेश सहित दो विधायक मुख्यमंत्री से मिलने पर चर्चा

अहमदाबाद । कांग्रेस के दो विधायकों ने अल्पेश ठाकोर और धवलसिंह झाला ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के साथ मुलाकात करने से अल्पेश भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। पहले भी एकता यात्रा के दौरान अल्पेश ठाकोर ने भाजपा के नेता शंकर चौधरी के साथ मुलाकात की ।

इस दौरान भी अटकलें थी कि अल्पेश ठाकोर भाजपा में शामिल हो रहे हैं । हालांकि बाद में उसने स्पष्टता की थी कि सिर्फ औपचारिक और शिष्टाचार मुलाकात थी। अब फिर एक बार अल्पेश ठाकोर ने मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात करने से कांग्रेस की छावनी में विवाद शुरू हो गया है। भाजपा के गलियारों में भी यह मुलाकात को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के युवा विधायक अल्पेश ठाकोर बायड के विधायक धवलसिंह झाला को साबरकांठा पुलिस परेशान करने की पेशकश करने के लिए मुख्यमंत्री रुपाणी से मिले । इस मामले में दोनों विधायकों ने सीएम रुपाणी के समक्ष पेशकश की कि, पुलिस उनको गलत तरीके से परेशान करना बंद करे । मुलाकात के दौरान सीएम रुपाणी और अल्पेश ठाकोर के बीच आधे घंटे तक चर्चा हुई थी ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)